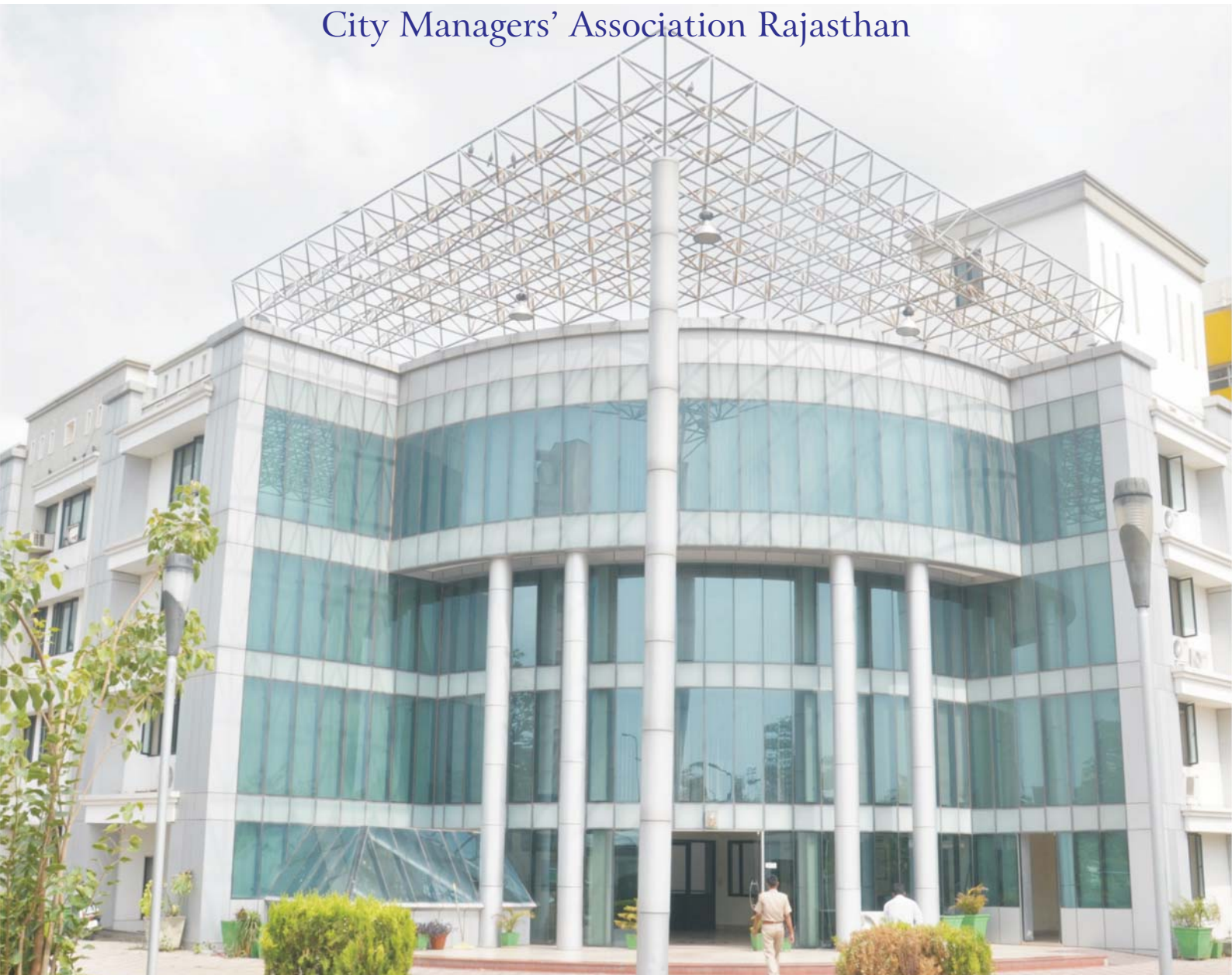


CMAR

City Managers' Association Rajasthan



Promoting excellence in city management ...

CMAR

e-Newsletter Issue XVIth December, 2015

Editor - in Chief : **Shri Purushottam Biyani (IAS)**
(Director cum Joint Secretary, LSGD, GoR)

Editorial Team & Compilation : **Dr. Himani Tiwari**
(Coordinator, CMAR)
Mr. Sharawan Kumar Sejoo
(Research Assistant, CMAR)

Digital Typesetting : **Mr. Arjun Pal**
(IT Expert, CMAR)

CMAR Team : **Mr. Sandeep Nama**
(Research Investigator, CMAR)
Mr. Sitaram Verma
(Assistant, CMAR)

OUR SINCERE THANKS TO

- **Smt. Sanchita Bishnoi (RAS)** (Add. Director, Directorate of Local Bodies, Rajasthan)
- **Smt. Preeti Mathur (RAS)** (Project Director, Directorate of Local Bodies, Rajasthan)
- **Shri Hulas Ray Pawar (R.Ac.S)** (Chief Account Officer, Directorate of Local Bodies, Rajasthan)
- **Smt. Madhu Rathore (R.Ac.S.)** (Sr. Account Officer, Directorate of Local Bodies, Rajasthan)
- **Shri R.K. Vijayvagia** (Sr. Town Planner, Directorate of Local Bodies, Rajasthan)
- **Shri Brijesh Pareek** (PRO, Directorate of Local Bodies, Rajasthan)
- **Shri V. Suresh** (Advisor - Good Governance India Foundation)
- **Dr. Hemlata Gandhi** (IEC Nodal Officer in SBM, Municipal Corporation Kota)
- **Shri Anil Tripathi** (Founder, Jaagrati Foundation, Ajmer)
- **Shri Amar Deep Singh** (Project Coordinator, CUTS International)

For suggestions/feedback please write to:

City Managers' Association Rajasthan, Room. No. 410, Directorate of Local Bodies,
G-3 Rajmahal Residency, Near Civil Lines, Railway Crossing, Jaipur-302015
Telefax: 0141-2229966 | Web: www.cmar-india.org | Email- cmar.rajasthan@gmail.com

Electronic version of this newsletter is also available on CMAR's website at: <http://cmar-india.org/>

Contents

जनसहभागिता से ही विकास और सुशासन संभव : वसुंधरा राजे	1
Study Tour of Municipal Government Official from Ulaanbaatar, Mangolia to Jaipur, India	4
कोटा में विशेष स्वच्छता अभियान:	
“जहाँ सोच, वहाँ स्वच्छता, जहाँ व्यवहार, वहाँ व्यवस्था”	7
Cross Learning & Experience sharing on "Innovative Practices in Monitoring of Urban Local Bodies"	9
बाईसाईकल मोबिलिटी प्लान:	
बढ़ते प्रदूषण व ट्रैफिक जाम का मुँह तोड़ जवाब	10
स्वच्छ पुष्कर : स्वच्छ राजस्थान	11

जनसहभागिता से ही विकास और सुशासन संभव: वसुंधरा राजे

13वीं अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस एवं प्रदर्शनी “म्यूनिसिपालिका 2015” का आयोजन सीतापुरा स्थित जयपुर एग्जीबीशन एण्ड कन्वेंशन सेन्टर में किया गया। इस कांफ्रेंस एवं प्रदर्शनी के शुभारंभ पर मुख्यमंत्री



वसुंधरा राजे ने अपने उद्बोधन में कहा कि “हमें अपने देश, राज्य एवं शहरों को ऐसा बनाना है कि आने वाली पीढ़िया भी यहाँ खुली हवा में सांस ले सके। इसके लिए नागरिकों को सुशासन एवं सतत् विकास में सहभागिता आवश्यक है। उन्होनें कहा कि लागों को भी समझना चाहिए कि सम्पत्ति, पानी, गृहकर आदि के करों से जो राशि आती है वह उन्ही शहरों एवं कस्बों के विकास पर खर्च होती है।” श्रीमती राजे ने राज्य के स्थानीय निकायों के प्रमुखों व पार्षदों को निर्देश दिये कि वे सरकार पर ही आश्रित होकर न रहे और विश्वभर में शहरों के विकास के लिए हो रहे नावाचारों एवं प्रयासों को समझें तथा उन्हें अपने क्षेत्रों में अपनायें। उन्होनें कहा कि यह हमारे लिये यह हर्ष का विषय है कि प्रदेश के चार शहर स्मार्ट सिटी एवं 29 शहर अमृत योजना में चयनित हुए हैं।



कार्यशाला के दूसरे दिन सॉलिड वेस्ट मैनेजमेन्ट (ठोस कचरा प्रबन्धन) को लेकर चर्चा की गई। सॉलिड वेस्ट मैनेजमेन्ट नियमों का नया ड्राफ्ट केन्द्रीय शहरी विकास मन्त्रालय द्वारा जारी होने के लिए तैयार है। ये नये नियम सभी शहरी निकायों में लागू नियमों की उपयोगिता को बढ़ायेगा।



स्वायत्त शासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव डॉ. मंजीत सिंह ने “म्यूनिसिपालिका-2015” कार्यक्रम के दूसरे दिन गुरुवार को डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण के लिए स्थानीय निकायों की ओर से किये जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। इस अवसर पर UMC ग्लोबल प्रा.लि. के चेयरमैन पी.यू. आसनानी, शहरी विकास मंत्रालय के पूर्व सचिव श्री सुधीर कृष्ण एवं महाराष्ट्र सरकार में नगर प्रशासन निदेशालय की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती सीता राजीव लोचन आदि मौजूद थे।

कार्यशाला में मैसूर सिटी कॉरपोरेशन के आयुक्त डॉ. सी.जी. वेरसुनथ ने उन कार्यो की जानकारी दी जिनके कारण स्वच्छ भारत मिशन में उनका शहर पूरे देश में अब्बल रहा है। गेंगटोक के मेयर शक्ति सिंह चौधरी ने कहा कि “हम दूसरों पर ऊंगली उठाते है, लेकिन पहले हमें खुद को भी देखना चाहिए तथा अगले वर्ष इस आयोजन की थीम जीरो वेस्ट रखनी चाहिए।”

ठोस कचरा प्रबन्धन के लिए जयपुर नगम निगम की ओर से की जा रही तैयारियों का प्रस्तुतीकरण अतिरिक्त आयुक्त श्री राकेश शर्मा द्वारा दिया गया। इसी तरह ग्रीन बिल्डिंग टेक्नोलॉजिस एण्ड मॉडर्न कन्सट्रक्शन सिस्टम और हैल्दी सिटीज इन्टीग्रेटेड मैनेजमेन्ट विषयों पर भी सत्र हुए।

म्यूनिसिपालिका 2015 के तीसरे दिन ओपन हाउस इन्टरफेस में विभिन्न शहरो के महापौर, सिटी मैनेजर्स, सामाजिक कार्यकर्ता, एनजीओ के प्रतिनिधि एवं शहरी विषयों के

विशेषज्ञों द्वारा चर्चा की गई तथा सभी ने शहरी विषयों पर अपने विचार व अनुभव साझा किये।

इस कांफ्रेंस एवं प्रदर्शनी के समापन समारोह पर शहरी निकायों एवं संस्थाओं को उनके नवाचार व सर्वश्रेष्ठ कार्यों हेतु पुरस्कृत किया गया। जयपुर शहर में एक नई शुरुआत हेतु सर्वश्रेष्ठ योगदान के लिए जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन को अवॉर्ड फॉर एक्सीलेन्स के पुरस्कार से नवाजा गया।

स्वायत्त शासन विभाग को मिला “बेस्ट स्टेट इनिशिएटिव” अवार्ड। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री श्री राजपाल सिंह शेखावत, प्रमुख शासन सचिव डॉ. मनजीत सिंह और श्री वी. सुरेश ने “बेस्ट स्टेट इनिशिएटिव” अवार्ड निदेशालय स्थानीय निकाय निदेशक, श्री पुरुषोत्तम बियाणी को दिया।

नगर निगम जयपुर को “बेस्ट इंडोर डिस्ट्रे पवैलियन” अवार्ड प्रदान किया। यह अवार्ड नगर निगम के आयुक्त श्री आशुतोष ए.टी. पेडणेकर एवं अतिरिक्त आयुक्त श्री राकेश शर्मा को दिया गया।

समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण समारोह में नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री श्री राजपाल सिंह शेखावत ने कहा कि शहर ऐसा हो जहाँ गुणवत्तापूर्ण जीवन के साथ ही नागरिकों की क्षमताओं का अधिकतम उपयोग हो व उनमें भरपूर प्रसन्नता हो। ऐसा करने से उस शहर में रहने वाले नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा। वो ही शहर सही मायने में स्मार्ट सिटी माना जायेगा। उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी में मानव जीवन के कल्याण के लिए टेक्नोलॉजी, विरासत, संस्कृति एवं प्रकृति के मध्य बेहतरीन तालमेल होना चाहिए।

समापन अवसर पर प्रमुख शासन सचिव, स्वायत्त शासन विभाग, डॉ मनजीत सिंह ने कहा कि राजस्थान में शहरी क्षेत्र में 40,000 करोड़ का निवेश होगा। अगले पाँच वर्षों में 1 लाख करोड़ का निवेश होने की संभावना है।

Study Tour of Municipal Government Official from Ulaanbaatar, Mongolia to Jaipur, India

A cross-learning session of Municipal Government official from Ulaanbaatar, Mangolia to Jaipur, India was facilitated by CMAR, in collaboration with CUTS International with the support of "The Asia Foundation, India" on 8th December, 2015



INTRODUCTION

Mongolia is a landlocked country in east-central Asia. It is bordered by Russia to the north and China to the south, east and west. While they do not share a border, Mongolia is separated from Kazakhstan by only 36.76 kilometres (22.84 mi). Ulaanbaatar, the capital and largest city, is home to about 45 percent of the population. Mongolia is divided into 21 provinces (aimags), which are in turn divided into 329 districts (sums). The capital Ulaanbaatar is administrated separately as a capital city (municipality) with provincial status. Thus being a federal municipality, the city is not part of any province.

Ulaanbaatar is divided into nine districts: Baganuur, Bagakhangai, Bayangol, Bayanzürkh, Chingeltei, Khan Uul, Nalaikh, Songino Khaikhan, and Sükhbaatar. Each district is subdivided into Khorroos, of which there are 121. The capital and provinces have Citizens' Representative Meeting (Local parliament) elected every 4 years. Governors exercise executive power in the capital and provinces and are appointed by the Prime Minister as recommended by Citizens' Representative Meetings. Local administrations provide support for Governors.

CMAR, DLB facilitated a cross learning session of Ulaanbaatar officials from Mangolia in collaboration with CUTS International with support of The Asia Foundation (TAF). A 15- member delegation along with two representatives from TAF India visited Jaipur from December 07-11, 2015. The purpose of the study tour was to enhance capacities of the government officials with respect to informed decision making, community participation and implementation of activities for service improvement in their respective areas through exposure to relevant areas in India.

The specific objectives of the tour were:

- how to engage citizens for more informed decision-making and planning to improve public service delivery;
- participatory planning/budgeting processes; and
- continued and sustainable capacity building of city officials, professional learning programmes and accreditation systems used in cities in India.

Meeting at Directorate of Local Bodies, Government of Rajasthan, Jaipur

The delegation visited office of Directorate, Local Self Government (LSG), Government of Rajasthan, where they were warmly greeted by City Managers Association Rajasthan who shared an overview of various programmes and activities undertaken by the LSG Department.

After self introduction round, Director, LSG Department Sh. Purushottam Biyani (IAS) welcomed all delegates and provided an overview of various flagship schemes under LSGD being implemented by the Department along with their objectives, implementation plan and expected outcomes. All delegates were very interested in his presentation and raised several queries which were suitably answered by him.



Senior Town Planner, LSG Department Sh. R K Vijayavargia also shared his experiences and spoke about the entire planning process of the department at Municipality level. He also mentioned about the master plans prepared for all municipalities, councils and town councils and added that **Rajasthan is the first of its kind in India to prepare master plans for all the cities and towns.** Sh. Vijayavargia Ji responded to queries raised by delegates on the planning processes.

Director, LSG Sh. Biyani also raised certain queries related to the governance structure of the Mongolian cities which was replied by the group leader and translated in English. It was followed by vote of thanks from Director, LSG & a Souvenir as a token of appreciation by group leader from Ulaanbataar.

कोटा में विशेष स्वच्छता अभियान:

“जहाँ सोच, वहाँ स्वच्छता, जहाँ व्यवहार वहाँ व्यवस्था”



स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत दिसम्बर माह में ऐसे वार्डों का चयन किया जहाँ आबादी की घनी बसावट है तथा लोगों ने अपनी मर्जी से सुविधानुसार कचरा पाईन्ट बना दिये। ऐसे स्थानों का चयन कर नगर निगम कोटा के महापौर, श्री महेश विजय, उपमहापौर श्रीमती सुनिता व्यास, आयुक्त श्री शिवप्रसाद एम. नकाते, उपायुक्त श्री राजेश डागा एवं समस्त वार्ड पार्षद, स्वास्थ्य अधिकारी, स्वास्थ्य निरीक्षक व प्रचार-प्रसार प्रभारी डॉ हेमलता गौंधी द्वारा प्रतिदिन प्रातः 08:00 बजे से 11:00 बजे तक विशेष सफाई अभियान, अवैध अतिक्रमण हटाना, पॉलीथीन जब्त करना, खाली पड़े प्लॉटों का चालान बनाना, नालियों व बड़े नालों की सफाई करवाना, कचरा पाईन्टों से कचरा नियमित उठवाने आदि की कार्य योजना बनाकर पूरे कोटा शहर में आम नागरिकों से “स्वच्छ कोटा एवं स्वच्छ कोटा” की शुरुआत की गई।

शहरी विकास मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली से श्री अनूप कुमार, पी.एम. यू. स्वच्छ भारत मिशन द्वारा कोटा शहर का भ्रमण किया गया तथा लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड और गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर ऐडवेंचर्स/स्पोर्ट्स लांगेस्ट विश्वपद यात्री श्री जितेन्द्र, श्री प्रताप, श्री अवध बिहारी, श्री महेन्द्र प्रताप द्वारा कोटा शहर में विशेष सफाई अभियान द्वारा जनता को स्वच्छ कोटा बनाने का संदेश दिया।



इसके साथ ही कोटा नगर निगम द्वारा की गई गतिविधियों के प्रचार-प्रसार फोटो, न्यूज कटिंग व नगर निगम द्वारा बनाये गये बैनर, पोस्टर, होर्डिंग्स आदि सामग्री का वितरण किया गया। फेसबुक, ट्वीटर, वाट्सअप, ग्रुप के माध्यम युवाओं को जोड़कर कोटा शहर को स्वच्छ रखने के लिये अपील की गयी।

जिसके लिंक निम्न प्रकार है:—

- [Facebook.com/Smart City Kota](https://www.facebook.com/SmartCityKota)
- [Facebook/Sbm municipal corporation Kota,](https://www.facebook.com/SbmMunicipalCorporationKota)
- [# municipal corporation kota](https://twitter.com/municipalcorporationkota)
- [twitter.com/Smart City Kota](https://twitter.com/SmartCityKota)
- [Whatsapp group for all ward corporater all officer](#)

Cross learning & experience sharing on "Innovative Practices in Monitoring of Urban Local Bodies"

A video conference on "Innovative Practices in Monitoring of Urban Local Bodies" was organized by CIPS (Centre for Innovations in Public System) on 01st December, 2015 which continued for 4 hrs. in NIC. The speakers from CIPS were Sh. C.G. Suprasanna, Chief Project Officer and Joint Director of Municipal Administration who presented on TULANA Service Level Benchmarking, and Sh. Anish A, Project Manager, Sulekha Project, Information Kerala Mission who presented on "Sulekha" plan monitoring system.

It was participated by :

SULEKHA

A presentation to Simplify decentralized planning in Kerela under E-governance, M-Governance for accountability, transparency & efficiency, was shared by Mr. Anish A, in which he shared the information that SULEKHA is the most comprehensive Local body computerization project in the county, which successfully working for networking & computerizing 1200 Local Self Government institutions of Kerela.

SULEKHA is the plan monitoring software developed by information Kerela Mission for LSGD of Government of Kerela for the effective monitoring of nearly 2lakh annual decentralized plan projects of Local Governments.

TULANA

In this presentation, Mr. C. G. Suprasanna shared the no. of ULBs of Karnataka based on the population size. He informed that there are 214 total ULBs in Karnataka, which includes 8 cities Corporation, 94 TMCs, 44 CMC & 68 TPs. He explained what is Service Level Benchmarking & why to benchmark performances, DMA (Directorate Municipal Administration) implemented SLB project to all 213 ULBs of Karnataka.

It was participated by Mr. R.K. Vijayvergia (Sr. Town Planner), Mr. M.K. Bairwa (superintend Engineer, LSGD), Dr. Himani Tiwari (Coordinator, CMAR) & Mr. Arvind Mohan (Joint Director, System Analyst, LSGD).

It was followed by cross learning session in which Rajasthan officials shared their experiences on best practices in Rajasthan like LED efficiency street lighting, Master Plans of all towns, Smart Mohalla Schemes from Jodhpur Municipal Corporation under Swachh Bharat Mission & Smart Raj Call Centre.

बाईसाईकल मोबिलिटी प्लान : बढ़ते प्रदूषण व ट्रैफिक जाम का मुँह तोड़ जवाब

स्वायत्त शासन विभाग के अंतर्गत जयपुर नगर निगम द्वारा यातायात वाहनों के कारण हुए वायु प्रदूषण पर लगाम लगाने हेतु एक अनूठा प्रयास किया जा रहा है।

इस प्रयास के अंतर्गत जगह-जगह साईकिल (जो कि नॉन मोटराईज्ड अर्थात इंधन रहित व मानव चलित वाहन है) किराये पर दी जाएगी। शहर के 15 स्थानों को इस हेतु चिन्हित किया गया है जो कि जंक्शन गांधीनगर, रेल्वे स्टेशन, आतिश मार्केट, विवेक विहार, सिविल लाईन्स, सिन्धी केम्प, चांदपोल, मेट्रो स्टेशन, अजमेरी गेट, सवाई मानसिंह अस्पताल, रामनिवास बाग, बड़ी चौपड़, छोटी चौपड़ हैं।



यहाँ साईकिल किराये पर उपलब्ध कराई जायेंगी (10 रु. प्रति घंटा की दर से) जिसे लोग किसी भी स्टैण्ड पर छोड़ सकेंगे। इसके लिये 10-20 साईकिल स्टैण्ड पर रखी जायेगी और साईकिल सेवा के लिये अनुबंधित कंपनी एवं निगम का अनुबन्ध होगा। किराये के रूप में स्टैण्ड से दो हजार रुपये प्रति माह लिये जाएंगे।

साईकिल की लोकेशन हेतु इसे GPS से जोड़ा जायेगा। इसके तहत हर साईकिल पर Radio Frequency Identification टैग (RFID) सुरक्षित व Dedicated Cycle Tracks स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत चिन्हित इलाकों में होगा।

इस प्रयास से होने वाले लाभ:-

1. पेट्रोल/डीजल की बचत जिससे मंहगाई नियंत्रित होती
2. साईकिल प्रदूषण रहित वाहन है, अतः वायु प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण होगा जिससे पर्यावरण में लाभकारी परिवर्तन आएंगे।
3. सड़कों पर ट्रैफिक जाम कम होगा।



स्वच्छ भारत मिशन के ठोस कचरा प्रबन्धन के अंतर्गत कचरा मुक्त पुष्कर बनाने हेतु जागृति फाउण्डेशन द्वारा एक अनूठा प्रयास

अजमेर जिले में स्थित पुष्कर एक पौराणिक शहर है जो कि विश्व प्रसिद्ध बह्म मंदिर के कारण तीर्थ स्थल भी है। अजमेर से 14 कि.मी. की दूरी पर स्थित यह शहर भारत के प्राचीनतम शहरों में से है। इसके सरोवर पर 52 घाट हैं जहाँ श्रद्धालू स्नान कर मंदिर के दर्शन करते हैं।

तीर्थराज पुष्कर शहर 20 वार्डों में विभाजित है जिसकी वर्तमान जनसंख्या 2011 जनगणना के अनुसार 21,626 है। (11,335 पुरुष व 10,291 स्त्री संख्या)

पुष्कर नगर पालिका करीब 4,288 घरों की जिम्मेदारी लेती है, जिसमें मूलभूत सुविधाएँ जैसे जल, स्वच्छता आदि सम्मिलित हैं।

भारत के अन्य शहरों की तरह पुष्कर में भी स्वच्छ भारत मिशन के क्रियान्वयन की गतिविधियाँ चल रही हैं। चूँकि पुष्कर में स्थाई जनसंख्या भार के साथ-साथ तीर्थ यात्रियों का भी आवागमन वर्षभर रहता है, इससे साफ-सफाई व स्वच्छता विशेष रूप से प्रभावित होती है।



कचरे के अव्यवस्थित रूप से इर्द-गिर्द बिखरे रहने से स्वास्थ्य पर तो प्रभाव पड़ता ही है, साथ ही वातावरण भी अशुद्ध होता है एवं सबसे ज्यादा प्रभावित पशु (विशेषतः गाय आदि) होते हैं जो पॉलिथिन में फेंके गये कचरे के साथ-साथ पॉलिथिन भी खा जाते हैं जिससे उनकी आंतों में पॉलिथिन जमा हो

जाती है और धीरे-धीरे वह मौत के मुँह में समा जाते हैं।

कचरा प्रबंधन के दो भाग है – कचरे को एकत्रित करना व कचरे का निस्तारण करना। पालिका द्वारा कचरा डिपो चिन्हित हैं परन्तु कूड़ेदान के भर जाने की स्थिति में कचरा आस-पास फैल जाता है।



इस हेतु जन जागरूकता अभियान भी चलाये गये परन्तु इतने कारगर नहीं हुये। इसका मुख्य कारण जागरूकता का अभाव नहीं अपितु व्यवस्था का अभाव था। व्यवस्था में सुधार के कदम में नगरपालिका पुष्कर को स्वच्छ बनाने हेतु नवाचारों को अपनाया गया। इसी कड़ी में जागृति फाउण्डेशन के **निदेशक श्री अनिल त्रिपाठी** द्वारा करीब 25,000 परिवारों व अजमेर के स्कूलों में कचरा पात्र

की व्यवस्था को स्वीकारा। उन्होंने एक Pilot Study के तौर पर होलिका चौक के मंदिर के समीप स्थान चिन्हित किया, कचरा एकत्र करने का स्थान भी नहीं बदला।

जागृति फाउण्डेशन द्वारा कचरा पात्र को इस तरीके से Design किया जिसमें 40 प्रतिशत पात्र सतह पर है बाकि 60 प्रतिशत सतह के नीचे है जिससे उसकी कचरा वहन क्षमता 10 गुणा बढ़ जाती है। इसकी क्षमता 3 टन कचरा वहन करने की है। यह पात्र ऊपर से ढक्कन द्वारा ढक दिया जाता है जिससे इसमें कचरा डालने व निकालने की सहूलियत हो। कचरा पात्र ढके रहने से पशु तक कचरे की पहुँच नहीं रहती और वातावरण में भी स्वच्छता रहती है।



माह में एक बार कचरा पात्र खाली होता है जिसकी तकनीक बिल्कुल भिन्न है। क्रेन द्वारा कचरे पात्र में स्थित बड़े से पॉलीथीन नुमा मजबूत कपड़े को रस्सी से खींचा जाता है। इस मजबूत कपड़े का निचला सिरा रस्सी द्वारा बंद होता है। जैसे ही Crane द्वारा Lift किया जाता है, कचरा वाहन में डालने के लिये, वाहन तक पहुँचते ही रस्सी खोल दी जाती है जिससे कचरा वाहन में बिना बिखराव के आ जाता है। तत्पश्चात खाली Bag को पुनः कचरा पात्र में विस्थापित कर दिया जाता है। इस तरह से बिना गन्दगी फैलाएँ कचरा Transport किया जाता है।



जागृति फाउण्डेशन द्वारा पुष्कर में चलाया गया सफल प्रयास है जो कि जून, 2015 से शुरू हुआ था और अब तक पुष्कर में करीब 18 कचरा पात्र क्रियाशील है। (250 लोगों की आबादी पर एक कचरा पात्र) आगे 45 और ऐसे कचरा पात्र लगाने की योजना है।

जागृति फाउण्डेशन द्वारा यह परियोजना दो चरणों में सम्पन्न की जायेगी। पहले चरण में 45 कचरा पात्र रखे जायेंगे जो कि घरेलू कचरे के संग्रहण हेतु लगाये जायेंगे। दूसरे चरण में 45 और कचरा पात्र लगाने का प्रयास रहेगा। जागृति फाउण्डेशन का उद्देश्य 2017 तक पुष्कर शहर को कचरा मुक्त शहर घोषित करना है। जिससे कि पुष्कर कचरामुक्त एवं स्वच्छ शहर का दर्जा हासिल कर सके व स्वच्छ भारत मिशन में अपना पूर्ण योगदान दे सकें। जागृति फाउण्डेशन को इस नवाचार हेतु "म्यूनिसिपालिका-2015" में सम्मानित भी किया गया।

OUR PARTNER'S



USAID
FROM THE AMERICAN PEOPLE

ICMA

International City/Country Management Association

USAEP

United State-Asia Environmental Partnership



National Institute of Urban Affairs



City Managers' Association Rajasthan, Room. No. 410, Directorate of Local Bodies
G-3 Rajmahal Residency, Near Civil Lines, Railway Crossing, Jaipur - 302015,
Telefax: 0141-2229966, www.cmar-india-org, E mail-cmar.rajasthan@gmail.com

Electronic version of this newsletter is also available on the website at: <http://www.cmar-india.org/>